The Institute of Chartered Financial Analysts of India University, Jharkhand

Press Release

7 July 2021

रांची

इक्फ़ाई विश्वविद्यालय में डिजिटल कृषि प्रबंधन पर ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित

वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से इक्फ़ाई विश्वविद्यालय में डिजिटल कृषि प्रबंधन कार्यक्रम के समापन पर समारोह आयोजित किया गया। इस ऑनलाइन प्रमाणपत्र कार्यक्रम में कृषि-आदान, कृषि-खाद्य प्रसंस्करण, कृषि-वित्त आदि जैसे क्षेत्रों में सरकारी और कृषि-व्यवसाय कंपनियों में कार्यरत अनुभवी प्रबंधकों ने भाग लिया। कार्यक्रम मिश्रित मोड में आयोजित किया गया था, जिसमें विश्वविद्यालय के स्वाध्याय डिजिटल लर्निंग सिस्टम पर अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई गई थी और रविवार को ऑनलाइन इंटरएक्टिव कक्षाएं आयोजित की गई थीं। श्री प्रदीप हजारी, विशेष सचिव, कृषि विभाग, पशुपालन और सहकारिता, झारखंड सरकार, श्री मनीष कुमार राय, उत्पाद विशेषज्ञ, सीएनएच इंडस्ट्रियल और श्री आशीष भारद्वाज, कृषि सलाहकार समारोह के विशिष्ट अतिथि थे।

समारोह में प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओ आर एस राव ने कहा, "कृषि में उत्पादकता बढ़ाने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि प्रबंधन का डिजिटल परिवर्तन आवश्यक है। इसे सक्षम करने के लिए, इन क्षेत्रों के सभी कर्मचारियों को प्रासंगिक डिजिटल कौशल के साथ खुद को फिर से कुशल बनाने की आवश्यकता है ताकि उन्हें कृषि-व्यवसाय के विभिन्न पहलुओं में खेती से लेकर खाद्य खुदरा स्टोर तक लागू किया जा सके।

झारखंड में डिजिटल कृषि के कार्यान्वयन से उच्च उपज और बढ़ी हुई आय के माध्यम से किसानों को कैसे लाभ हो रहा है, इस पर विस्तार से बताते हुए, श्री प्रदीप हजारी ने कहा, "इक्फ़ाई विश्वविद्यालय द्वारा इस अनूठे कार्यक्रम को संचालित करने के लिए की गई पहल अत्यधिक सराहनीय है क्योंकि इससे अप- कृषि-व्यवसाय पेशेवरों को कुशल बनाना और उन्हें कृषि-व्यवसाय के डिजिटल परिवर्तन के लिए तैयार करना शामिल था।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए, श्री मनीष कुमार राय ने कहा कि कार्यक्रम ने कृषि से संबंधित संगठनों में काम करने वाले कर्मचारियों को कृषि की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला के प्रबंधन में प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग को समझने में मदद की।

श्री आशीष भारद्वाज ने कहा कि कार्यक्रम ने न केवल ग्रामीण ऋण प्रदाताओं, कृषि-इनपुट कंपनियों, खाद्य प्रसंस्करण संगठनों, थोक विक्रेताओं और कृषि उत्पादों के खुदरा विक्रेताओं जैसे हितधारकों की मदद की, बल्कि कृषि छात्रों और संकाय सदस्यों को भी आईटी अनुप्रयोगों के लाभों को समझने में मदद की।

कार्यक्रम के सभी प्रतिभागियों ने फीडबैक दिया कि कार्यक्रम ने उन्हें आईटी कौशल से लैस किया है, जिसे वे अपने दिन-प्रतिदिन के कामकाज में लगा सकते हैं।

विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ हरि हरन और डॉ सत्येंद्र किशोर, डॉ भगबत बारिक, सहायक डीन एवं कार्यक्रम समन्वयक ने भी प्रतिभागियों को संबोधित किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी प्राध्यापकों ने भाग लिया। प्रो. अरविन्द कुमार, कुलसचिव ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

==========